अनुमोदित

2018-19

अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय, भोपाल (म.प्र.)

प्रशिक्षण पाठ्यक्रम

विषय – लोकगीत गायन

सत्र - 2018-19

संकाय – ललित कला

(नियम, परीक्षा योजना, अंक योजना एवं पाठ्यक्रम)

अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय, भोपाल

प्रशिक्षण पाठ्यक्रम
लोकगीत गायन

आवश्यकता :–

1. लोक परंपराओं को जीवंत रखने हेतु।
2. नई पीढ़ी को समृद्ध भारतीय लोक परंपराओं से परिचित कराने हेतु।
3. पारंपरिक लोक गीतों के गायन के प्रशिक्षण हेतु।
4. लोक संगीत की विभिन्न शैलियों से परिचित कराने हेतु।

उद्देश्य :–

1. विद्यार्थी, लोक संगीत के मूल तत्वों को समझ सकेंगे, जो भारत की पारंपरिक शैली से ही निकलती है।
2. लोक संगीत की विभिन्न विधाओं जैसे, गायन, वादन, परंपरायें, शैलियों आदि से संगीत में आये विभिन्न प्रदर्शन के तरीकों, प्रक्रियाओं एवं प्रशिक्षण कला को स्थापित कर सकेंगे।

महत्व :–

1. लोक संगीत के माध्यम से जीवन की सरसता।
2. ध्यान एवं एकाग्रता हेतु लोक संगीत का महत्व।
3. आधुनिक प्रचलित संगीत में लोक संगीत के तत्वों की पहचान।

24/4/18

अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय, भोपाल

प्रशिक्षण पाठ्यक्रम
लोकगीत गायन

संगीत विभाग

उद्देश्यः–

- विद्यार्थी संगीत, गायन एवं वादन के मूल तत्वों को समझ सकेंगे जो भारत की पारंपरिक शैली से ही निकलते है।
- लोक संगीत की विभिन्न विधाओं जैसे लोक गायन, लोक वादन, परंपरायें, शैलियों, इत्यादि से संगीत में आए हुए विभिन्न सैद्धान्तिक एवं वैचारिक अधिष्ठानों पर चिंतन कर उन विधाओं का कक्षा में अध्ययन, प्रदर्शन के तरीकों, प्रक्रियाओं तथा अध्यापन कला को स्थापित कर सकेंगे।
- संगीत परंपराओं में निहित विभिन्न अभ्यासों को क्रियान्वित करने की योग्यता विकसित कर सकेंगे।
- संगीत की सैद्धांतिक समझ और व्यवसायिक क्षेत्रों में प्रदर्शन, नियोजन तथा आजीविका की संवहनीयता को प्राप्त कर सकेंगे।
- विद्यार्थी समझ सकेंगे कि लोक संगीत शिक्षण प्रक्रिया अन्य शैक्षणिक पाठ्यक्रमों की भॉति उसके अभ्यास तत्व, दक्षता संवर्धन, अध्यापन कला के साथ – साथ आयमूलक पृष्ठभूमि में भी अर्थपूर्ण है।

अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय, भोपाल

प्रशिक्षण पाठ्यक्रम
लोकगीत गायन

अंक – 200 उत्तीर्णांक – 80

प्रायोगिक पाठ्यक्रम :–

1. अलंकारों का अभ्यास (आरोह–अवरोह) – यमन और बिलावल के अंलकार 5–5
2. आरती गायन
3. बुदेंली, मालवी एवं बघेल खण्डी, निमाड़ी गीत – (कोई एक)
4. विवाह के अवसर पर गाए जाने वाले बुंदेली गीत – (कोई एक)
5. जन्मोत्सव के गीत – (कोई एक)
6. स्वर लिपि का सामान्य परिचय
7. मंजीरा वादन
8. ढोलक की लय पर ताल देने का अभ्यास।
9. हारमोनियम पर अलंकारों का अभ्यास।
10. दादरा, खेमटा एवं कहरवा, ताल को ढोलक या तबला वादन से पहचानना।

आवश्यक निर्देश :–

प्रायोगिक परीक्षा उपरोक्त पाठ्यक्रम से संबंधित इकाईयों में से प्रश्न पूछे जाएंगे जिन्हें प्रायोगिक रूप से प्रस्तुती देनी होगी।

24/4/19